आभारोक्ति

मानव–जीवन में सौभाग्य–फलन् ईश्वरीय कृपा, सत्य– मार्गदर्शकों एवं पूज्यजनों के आशीर्वाद से परिपुष्ट होता है। इस भवसागर में केवल श्रम ही सफलता का कारण नहीं होता अपितु गुरुजनों एवं सहृदयों की प्रेरणा एवं उत्साहवर्द्धन का भी अपना महत्व होता है। प्रस्तुत शोध–प्रबन्ध ईश्वर की असीम अनुकम्पा, परमपूज्य गुरुजनों के विद्वत्तापूर्ण मार्गदर्शन, सुहृद जनों के आशीर्वाद एवं सहयोगियों के सहयोग से पूर्णता को प्राप्त कर सका है। आप सभी के प्रति आभार ज्ञापित करना मैं अपना कर्तव्य समझती हूँ।

सर्वप्रथम मैं अपने शोध–निर्देशक, परमश्रद्धेय, आदरणीय गुरुजी ***डॉ. ओंकारनाथ उपाध्याय****, पूर्व अध्यक्ष, इतिहास विभाग, जी.बी. पन्त पी.जी. कॉलेज, प्रतापगंज, जौनपुर का ऋणी हूँ, जिन्होंने शोधकार्य हेतु विषय–चयन से लेकर अपने विद्वत्तापूर्ण निर्देशन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। वस्तुतः यह स्वीकृति मुझे अल्पज्ञ हेतु विद्या प्रदायनी सरस्वती का साक्षात् अनुग्रह ही था। आपकी विद्या प्रदायनी सरस्वती स्वरूपा विद्वत्ता एवं निर्देशन के परिणामस्वरूप ही मैं यह शोध स्तरीय गहन अध्ययन पूर्ण कर सकी। सदैव आपके आशीर्वाद की कामना करती हूँ।*

मैं आदरणीय ***डॉ. मनोज कुमार सिंह,*** *प्राचार्य, जी.बी. पन्त पी.जी. कॉलेज, प्रतापगंज, जौनपुर के के प्रति आभार ज्ञापित करता हूँ, जिनके सान्निध्य में मैंने अपना शोध–प्रबन्ध पूर्ण किया।*

प्रस्तुत शोध–प्रबन्ध में अध्ययन सामग्री की उपलब्धता के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता; राष्ट्रीय अभिलेखागार, दिल्ली; केन्द्रीय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; भारतीय राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद् ग्रन्थालय, दिल्ली; क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी, इलाहाबाद; केन्द्रीय पुस्तकालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद; केन्द्रीय पुस्तकालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; केन्द्रीय पुस्तकालय, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर; सचिवालय पुस्तकालय, लखनऊ; भण्डारकर इन्स्टीच्यूट पूना; यदुनाथ सरकार क्लेक्शन, राष्ट्रीय

पुस्तकालय, कलकत्ता; ऐशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल, कलकत्ता; खुदाबक्श ओरियण्टल लाइब्रेरी, पटना के पुस्तकालयाध्यक्षों के प्रति उनके सहयोग हेतु आभार ज्ञापित करता हूँ। साथ ही साथ उन सभी कृतिकारों का आभारी हूँ जिनकी कृतियों से मैं लाभान्वित हुआ हूँ।

*मैं **स्व. देवेन्द्रप्रताप सिंह**, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, श्री गणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोभी, जौनपुर के प्रति ऋणी हूँ, जिन्होंने मुझे शोधकार्य के लिए न केवल प्रेरित किया वरन् अपना विद्वत्तापूर्ण मार्गदर्शन भी मुझे प्रदान किया।*

*कृतज्ञता प्रकाश के इस क्रम में **डॉ. सतीश चन्द्र सिंह, डॉ. आनन्द सिंह, डॉ. मधुप कुमार** (अध्यक्ष, हिन्दी विभाग), श्री गणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोभी, जौनपुर के प्रति आभार ज्ञापित करती हूँ, जिन्होंने प्रस्तुत शोध को शीघ्रता से पूर्ण कराने में मेरी मदद की।*

*किसी भी व्यक्ति के विकास में उसके परिवार का बहुत बड़ा योगदान होता है। पारिवारिक क्रम में मैं अपनी पूजनीया माता जी **श्रीमती सुखवन्ती देवी** एवं पूज्य पिता जी **महातिम सिंह यादव** के ऋण से उऋण नहीं हो सकता जिनकी हार्दिक इच्छा का प्रतिफल ही इस शोध–प्रबन्ध की पूर्णता है। मैं अपने परम आदरणीय सास–श्वसुर – **स्व. भगवानी देवी** एवं **श्री हरदेव यादव** के प्रति नतमस्तक हूँ, जिनका स्नेह एवं आशीर्वाद सदैव मेरा सम्बल रहा है। मैं अपने पति **डॉ. अभिमन्यु यादव**, प्रवक्ता, रसायनशास्त्र विभाग, श्री गणेश राय पी.जी. कॉलेज, डोभी, जौनपुर के प्रति आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे उच्च अध्ययन के लिए सदैव प्रोत्साहित किया और मुझे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।मैं शोध–प्रबन्ध के पूर्णता के अवसर पर अपनी सुपुत्री **अंकिता यादव** एवं सुपुत्र **अभिज्ञान यादव** को स्नेहाशीष प्रदान करती हूँ।*

*मैं अपने मित्रों सर्वश्री **चन्द्रशेखर श्रीवास्तव, सौमित्र सिंह** के प्रति आभारी हूँ, जिन्होंने समय–समय पर रचनात्मक सहयोग प्रदान कर मेरा उत्साहवर्धन किया।*

गीता यादव